Date · 2·3·23 Navduniya Sehore Pg. no. 11

सर्वे स्कूल आफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर भोपाल के 18 छात्रों के दल ने सीहोर नगर के ऐतिहासिक स्थलों का किया सर्वे

ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण, संवर्धन की आवश्यकताः कलेक्टर

सीहोर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। स्कूल आफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर भोपाल के छात्रों द्वारा सीहोर नगर के हेरिटेज इमारतों व स्थलों का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की गई। इस रिपोर्ट में नगर की धरोहरों, स्थलों का चिन्हांकन कर उनके संधारण के संबंध में सुझाव दिए गए। इस सर्वे रिपार्ट को छात्रों द्वारा जिला पंचायत सभाकक्ष में पीपीटी तथा डिस्प्ले बोर्ड के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। सीहोर नगर में 143 ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, कलात्मक धरोहरों तथा स्थलों को चिह्नित किया गया है। इस अवसर पर कलेक्टर प्रवीण सिंह, एसपी मयंक अवस्थी व स्कूल आफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर भोपाल की प्रोफेसर डा विशाखा कावठेकर, प्रोफेसर रमेश भोले, अपूर्वा पिल्लई, मानसी अवस्थी सहित सर्वे दल के सभी छात्र उपस्थित थे।

इस अवसर पर कलेक्टर प्रवीण सिंह ने सीहोर नगर के ऐतिहासिक धरोहरों, स्थलों पर किए गए इस सर्वे को बहुत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, कलात्मक व धार्मिक महत्व की धरोहरें नगर का गौरव होती हैं। निश्चित ही आज हमें अपनी धरोहरों को संरक्षित और संधारित करने की आवश्यकता है, उन्होंने कहा कि जब इतिहास और वर्तमान में गैप हो जाता है। तब तथ्यहीन एवं काल्पनिक अवधारणाएं प्रचलित होने लगती है। ऐसे मिथकों एवं अवधारणाओं को स्थापित होने से रोकने के लिए ऐतिहासिक धरोहरों का वास्तविक रूप में संरक्षण और संवर्धन आवश्यक हो जाता है। कलेक्टर सिंह ने सीहोर के शहीद स्थल और सिपाही बहादुर सरकार का उल्लेख करते हुए कहा कि इस स्थल का महत्व जलियांवाला बाग से कम नहीं है। जनरल ह्यूरोज की बर्बरता की कहानी दिल दहला देने वाली है। उन्होंने कहा कि शहीद स्थल को एक पवित्र स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई जा रही है, ताकि मध्यप्रदेश या भोपाल आने वाले पर्यटक सीहोर भी आएं। उन्होंने कहा कि सर्वे में सीहोर नगर की जिंतनी धरोहरों को चिन्हित किया गया है, उनके पर्याप्त प्रचार-प्रसार तथा पर्यटकों के लिए लीफलेट बुकलेट के रूप में प्रकाशित करने की आवश्यकता है, उन्होंने कहा कि नगर के इन स्थलों का हेरिटेज वाक के लिए रूट बनाने के साथ ही स्थानीय आटो-टैक्सी चालकों को इन धरोहरों की सम्पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने तथा स्थानीय युवाओं को गाइड के रूप में तैयार करने की आवश्यकता है। कलेक्टर सिंह ने छात्रों को बताया कि संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए महाकाल लोक की तर्ज पर सलकनपुर में देवी लोक बनाया जा रहा है। कलेक्टर सिंह ने सीहोर नगर के अलावा जिले के अन्य पुरातात्विक, सांस्कृतिक एवं अन्य ऐतिहासिक स्थलों के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर भोपाल के सर्वे करने वाले सभी 18 छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके द्वारा सीहोर नगर की धरोहरों को सहेजने के जो सुझाव दिए गए हैं उन पर प्रस्ताव तैयार कर संबंधित विभागों को प्रेरित करेंगे।

कलेक्टर प्रवीण सिंह व एसपी मयंक अवस्थी स्कूल आफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर भोपाल की प्राचार्य प्रोफेसर विशाखा काठवेकर को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए। ● नवदुनिया

एसपी ने कहा- गणेश मंदिर दुनिया में प्रसिद्धः एसपी मयंक अवस्थी ने कहा कि स्कूल आफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर भोपाल के छात्रों द्वारा किए गए इस सर्वे से ऐसे कई ऐतिहासिक धरोहरों, स्थलों की जानकारी मिली है, जिनके बारे में पहले से अवगत नहीं थे, उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक धरोहरें हमें वास्तविकता से अवगत कराती हैं। उन्होंने कहा कि इन धरोहरों को सुरक्षित और संरक्षित रखने का प्रयास करना चाहिए, उन्होंने सीहोर नगर के अनेक स्थलों का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां का गणेश मंदिर देश दुनिया मे प्रसिद्ध है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए मंदिर के समुचित संरक्षण पर विचार किया जाना आवश्यक है, उन्होंने सर्वे दल के सभी छात्रों को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन जिला सूचना अधिकारी संजय जोशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर सतीश राय, वंदना राजपूत सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।